

DPN 6449

Title :

1. आदित्यस्थंडिलार्चन विधि / ⑦ ĀDITYASTHNDILĀRCANAVIDHI
2. आदित्य(व्रतोद्यापन) — ② ĀDITYA(VRATODYĀPANA)STANDILAR-
स्थंडिलार्चन CANA

Run. No. 7174

Cat. No. 19 I

Micro. No.

Subject Ritual ~~कर्मकाण्ड~~

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 19.7 x 7

Folios 19

Lines (in a page) 7/8 or 22/23

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor शङ्करपालि राम्मा

Date: NS / SS / VS / KS 729

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuji. / Ran. /

Illus. : Together with Agastyastrandila-
Yantra, Ādityasthandilayantra, ~~—~~
manivīnāyaka yantra and Agastya
Vrat-mandapa.

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu / yellow

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

0 cmts.

5

10

15

20

Colophon:-

1. ॥ इत्यागस्त्य धातिलाचर्चनं लिखितं ॥ ॥
2. धर्तृ कुण्ड विधानं स्येयं सुरो ॥
3. संप ७२९ पौष शुक्ल अष्टम्यां रवी ॥ अष्टम्यु धुनका चोद्य ॥ वंला निम्नं
मी शङ्ख रमालि शर्मणा लिखितं ॥ ॥
4. इत्यादित्य स्तुतिस्तोत्रार्चनं ॥ ॥
5. ततः संप्रदायानि राजादेशादि उद्योगेभ्यः मूलं ॥ इति आदित्य वती
ज्यापन विशेष ॥ ॥

एनावीकल जीलिस्वान कय्यूव तंका शाक मयव लासकुता नवदया
 ताउत ॥ १ ॥ युनम मधुलिस्वान कसूवी सुवाकुल रुठम का लास
 कुता नदया ॥ २ ॥ कावातस्वान कुवम मास कथमिनि गंरुविनि
 जुरुलि लासकुता ॥ स्वदया ॥ ३ ॥ जयस्वान अंवल कथाट मयव
 वकन वंनवि गंधवन लासकुता ॥ विदया ॥ ४ ॥ खतम वरुवीस्वान
 वकन स्वात स्यंधा श्रीखल लासकुता ॥ कादया ॥ ५ ॥ धय मवती स्वा
 न रुति स्यतलास समुद्र वि विपलि लासकुता ॥ युद या ॥ १ ॥

कालम गुंठि हाकुकामल चंपस्वान तयमाय कय्यास वम दव
 दाव कंव लासकुता कुनीतव नयापदार्थद्विसदयाड मलाचकीता
 उत द्वासदया ॥ ~~अगस्त्यवतयादया~~ ॥ ॥ काणवनजंगुष्ठ प्र
 मानयाठदवआयाय धदवअगस्त्यवतयाव वाकुलमस दं थं
 न ॥ कत धदवदागसत ॥ वीविनकलगाताकाउर्य ॥ वलिजुजावनगंगा
 स दंखापिखा धतवाया ॥ ॥ मनीषायविमदं अगस्त्यायधी
 मदी ॥ तनामृषियवादया ॥ ॥ धअगस्त्यायागायगी ॥ ॥

रक्षो वैकुंठक ४ अगस्त्याय कृष्णाय वायलायामदाय तथ स्वाहा ॥ १ ॥ वरुणा
 वदनपुष्प ॥ २ ॥ समस्तसुखया ॥ ३ ॥ रक्षो वैकुंठक ४ रुद्राजाय स्वाहा ॥ कृष्णाय ॥ पुष्प ॥
 ॥ ४ ॥ वक्रयज्ञाने ॥ २ ॥ ३ क ४ विष्णुमिनाय स्वाहा ॥ समिर्षि ॥ पुष्प ॥ ५ ॥ वक्रय
 स ॥ ३ ॥ ३ क ४ यमदग्नय स्वाहा ॥ इविर्षि ॥ पुष्प ॥ ६ ॥ वक्रयत अति ॥ ४ ॥ ३
 क ४ वक्रिषाय स्वाहा ॥ विलासि ॥ पुष्प ॥ ७ ॥ वक्रयत ॥ ५ ॥ ३ क ४ कृष्णाय
 स्वाहा ॥ विलासि ॥ पुष्प ॥ ८ ॥ मिना वक्रय ॥ ६ ॥ ३ क ४ अग्नय स्वाहा ॥ अयामाग्न
 ॥ पुष्प ॥ ९ ॥ ता अग्नय ॥ ७ ॥ वृत्ति अगस्त्य वनाशाय नया विष्णुसक निविधिहाम ॥

२ ५ मदि ॥
 १ अगस्त्यथ लितावर्तन न्यासादि अर्घ्याद्युत्तम ॥ आसनी ॥ ३ ॥ अगस्त्यादि
 ॥ ४ ॥ यद्वासनाय ॥ २ ॥ ५ ॥ कृष्णाय ॥ ३ ॥ अगस्त्यम निष्कर्तुं दक्षिणादि
 गुपलितं ॥ वक्रयपधवागस्त्ययुर्वीर्षमहादव ॥ कमलुलसदसुर्गदलुपा
 लि वक्रयद ॥ कृष्णजिनाहनीय ॥ ४ ॥ कृष्णवधर्षमूर्ति ॥ वक्रयिर्षमूर्तय
 ध्यायत्यत्रमवृत्ति ॥ सर्वयाये विनिर्मके विमलार्कसगच्छति ॥ ॥ विया ३
 ॥ ५ ॥ रक्षो वैकुंठक ४ अगस्त्याय कृष्णाय वायलायामदाय तथ स्वाहा ॥ ३ ॥ ५ ॥
 गतमाय ॥ ४ ॥ रुद्राजाय नमः ॥ ५ ॥ विष्णुमिनाय ॥ ६ ॥ यमदग्नय ॥ ७ ॥
 ॥ २ ॥ ५ ॥ सा किमे ॥ १ ॥ का किमे ॥ २ ॥ ला किमे ॥ ३ ॥ ना किमे ॥ ४ ॥ ता किमे ॥ ५ ॥ हा किमे ॥ २ ॥

१ पागसि दष्टि १
 २ पागपुस्तक २
 ३ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ३
 ४ नमो भगवते वासुदेवाय ४
 ५ पागपुस्तक ५
 ६ नमो भगवते वासुदेवाय ६
 ७ नमो भगवते वासुदेवाय ७
 ८ नमो भगवते वासुदेवाय ८
 ९ नमो भगवते वासुदेवाय ९
 १० नमो भगवते वासुदेवाय १०

१ नमो भगवते वासुदेवाय १
 २ नमो भगवते वासुदेवाय २
 ३ नमो भगवते वासुदेवाय ३
 ४ नमो भगवते वासुदेवाय ४
 ५ नमो भगवते वासुदेवाय ५
 ६ नमो भगवते वासुदेवाय ६
 ७ नमो भगवते वासुदेवाय ७
 ८ नमो भगवते वासुदेवाय ८
 ९ नमो भगवते वासुदेवाय ९
 १० नमो भगवते वासुदेवाय १०

नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

न पि ४ पूर्व्या ॥ १ ॥ हाक्कना
हा खाल योन स्वी ३ दक्षिण्या
॥ २ ॥ माथा नाग खाल पाग
पि ४ पूर्व्या ॥ ३ ॥ लाता
नाग खाल पाग कर्ण उरु
नया ॥ ४ ॥ जथा पल्य ज्ञान
थया ॥ ५ ॥ कादू पल्य नैस
खया ॥ ६ ॥ माथा पल्य वायु
वाया ॥ ७ ॥ हाक्क यल्य ण्णी
नया ॥ ८ ॥ धन रत्न कल्य विद्म

रयि लाण था भ स पि व का
ला ८ सी र्ण ख था य ग्य ठ
पि ४ वा वक्क वल्य सूर्य पू
र्व पश्चिम स दक्ष संज्ञ कि
कादू ॥

रज्जु गि कल्लु स था य या ज्ञ
गि कल्लु या पूर्व स धा स व डा
दध न उरु न स क म लु ल दध
न दक्षिण संज्ञ कि ॥ दक्षिण्या
दध स य म दल्ल दध न पूर्व
७ न दध न पश्चिम खल्ल ॥

पश्चिम या दध स नाग द
ध न दक्षिण स चक्क दध
न उरु न ध ज ॥ उरु न या
दध स नाग दध न पश्चि
म पूर्व क दध न पूर्व
लि ५ ल ॥ ॥ धनं ऊन
न तु ग ड या प न या च
न न र्थ न या श ना ॥

१ स न ध न या न दू नि चि द
१ स रु सु ध न य स म द
१ विष्णु स ध या च न न र्थ ना ॥

१ क ण था दि क ल ण चि द ॥
न क ण र्ण य ॥ १ ॥ उरु न उरु ल ॥ १ ॥
नील य न ॥ सिंधु मूढ ॥ २ ॥
कूक स य न ॥ वा स न ॥ ३ ॥
१ ॥ उरु न ग दा ॥ य न ॥ ४ ॥
१ ॥ उरु न व कु ॥ आ म ले ॥ ५ ॥
रु नि त ग दा ॥ सिंधु मूढ ॥ ६ ॥
घा त ण र्ण य ॥ क म लु ल ॥ ७ ॥
न क व कु ॥ प स क ॥ ८ ॥
घा त ग दा ॥ उरु ल ॥ ९ ॥
घा त य न ॥ न ले ॥ १० ॥

॥८॥

१ गणपति भाथाउन
 १ रुनु पीतपुस्क
 १ आजिनी कर्णिकपाल
 १ कंगपाल खर्वाज
 १ वस भाथायस
 १ वासु पीतपुस्क
 १ लक्ष्मी सिधुमुठ
 १ गङ्गा नी भाथा लाहामवा
 १ क्षान्तिक लिष्टलक्ष्मी
 १ सुष्टिक पीतवर्क
 १ सुतु उईया कर्णिक
 १ जिव वादुवर्क क्षान्तिक
 १ पाल्या मल्लिक निदवगुनि
 १ निडा भायपम
 १ लया खाना
 १ प्रणिष्ठा भाथायस
 १ सेरु ॥ प्रणिष्ठायो कृदवद भाथायस
 १ ॥ कृदवद ॥

१ सुश्वकामा पीतवर्क ॥ १ ॥
 वलि कृष्णयस ॥ २ ॥ व्यास
 यीत धरु ॥ ३ ॥ रुनमन

नक कसलुनु ॥ ४ ॥ विरु
 यण कीकमचामन ॥ ५ ॥
 कय पीतमकु यम ॥ ६ ॥
 ॥ यनशु नाम कृष्णकुर
 ॥ ७ ॥ मार्कण्डे धर्मशरिव ॥

१ उपादिक लणया क
 भा विद्व वायमव ॥

१ प्रणीतमान चक्रवाट
 १ व्यतिमान खक्रालताय
 १ यिनायकाठ यिनायक
 म ॥ १२ नागार्थ विषाय
 १ सनाव स्वस्तिक ॥ १३ शील
 १ क्षी ॥ यकयकलोक्षिक ॥
 १ क्रानलासात स्वस्तिक ॥
 १ रुलिनी खलु योगनकु
 याव ॥ १४ वाकनरुणिनी
 सिवाचक मर्जागोर्ध ॥

१ दय त्मानयायक लणया
 चिक्र ॥ १५ झादुनाग खानवा

१ नीनीन्यल ॥ १६ गपम ॥

१०० न्य पातनकृयाव नथा
व द ॥ १ ॥ आगूथ कादूण
कि ॥ २ ॥ यम यमदण्ड
क ॥ ३ ॥ निस यस्वण्ड ॥ ४ ॥
वनलध्वगनामयाग ॥ ५ ॥
वायवाध्वज ॥ ६ ॥ कवन
नथागदा ॥ ७ ॥ णीगानलि
धूल ॥ ८ ॥ अर्धवके ॥ ९ ॥
कमण्डल ॥ १० ॥ ॥

१०० या ध्वगर्णख ॥ १ ॥ विज
या पीतगदा ॥ २ ॥ चण्ड ध्व
गर्णख ॥ ३ ॥ प्रचण्ड कस
गदा ॥ ४ ॥ धाणी नकयम ॥
५ ॥ विधाणी रुनिगचकु ॥
६ ॥ विषकं न हाकगदा ॥
७ ॥ कंगुयाल कसगीदा ॥ ८ ॥

१०० ध्वद पीतयसक ॥ १ ॥
॥ यद्रध्वद ध्वगजकमाला ॥
२ ॥ सामवद नककमण्डल
॥ ३ ॥ अथद्वेद मलि ॥ ४ ॥

१०० कगयुग ध्वगर्णख ॥ १ ॥
शुगायुग पीतगदा ॥ २ ॥
द्रापनयुग रुनिगचकु ॥
३ ॥ कलियं कसर्णख ॥ ४ ॥

१०० दित्यवर्तुलाकालनक ॥
१ ॥ साम अर्धचन्द्रध्वत ॥ २ ॥
अंगोनलिकालनक ॥ ३ ॥ द
ध नीवना ॥ ४ ॥ वरुस्यनि
पीतयम ॥ ५ ॥ ध्वक य का
लध्वग ॥ ६ ॥ गनध्वन वि
दलि ॥ ७ ॥ नाद्र सकल ॥ ८ ॥
कण्डु खण्ड ॥ ९ ॥ उ नमस्वसि
क ॥ १० ॥

१०० र्गमा पीतयम ॥ १ ॥ यम
ना नकयम ॥ २ ॥ नमदाक
कयम ॥ ३ ॥ गनय नील
यम ॥ ४ ॥ गामनी ध्वगय
म ॥ ५ ॥ चन्द्राणी रुनिग
यम ॥ ६ ॥ गण्डकी पीतय
म ॥ ७ ॥ कोजिनी ध्वगयम

[illegible]

027 #2

[The manuscript page contains approximately 10 lines of handwritten text in Devanagari script, which appears to be a form or record.]

5

0

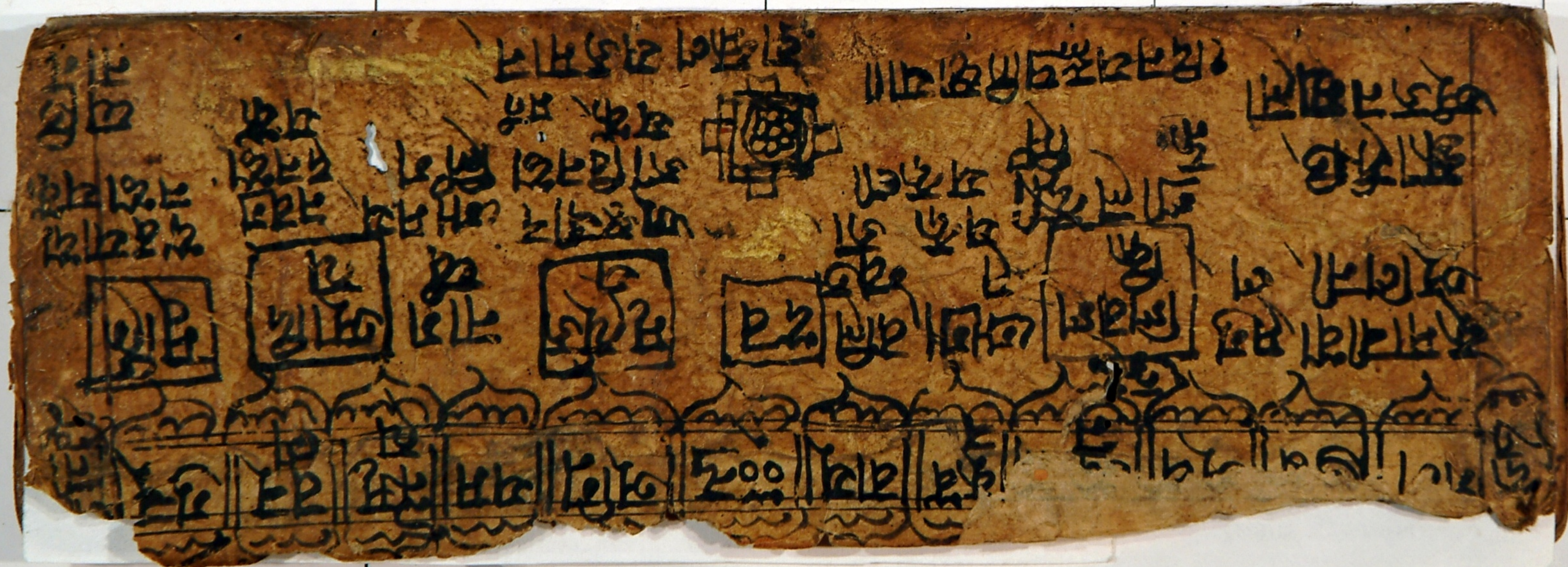
cmts.

5

10

15

20



१२ धनं वसाह सिनकाण्यलि १२ तन्मिनर्थ उच्यं ॥

एकलु यायमानकाटिहामनका अकावागनर्थ थव २ ससातकलु थंम थयाक
लु इवसना थल अंगुलि २३ नियमिसवनरागकासन वद अंगुलि ३३
कुमयला नियम अंगुलिसवानरागकायावर्तदि अंगुलि ३ मधुमयला
दा दगारागकायाव यसांगुलिन अंगुलि २ थन व विधमयलाया । थन
अंगुलियांकिनरुमिराग थयार्थ अंगुलि १ सगकुमयलार्ह रुमिराग
नर्थ अंगुलि १० मयला ३ रुमिरागनका अंगुलि १६ थन कलु विधानमयशना ॥
१ अकावागयययाक १ न मयावज्जिकलु प्राकालं दाल १ आइ निवियशना ॥ ॥

१०० तु नयावडा १॥ अमि
क्रादुं किं ॥ अम उमदलु
नक्र ॥ अमय रव ५॥ व
नग ॥ अमनागडा ॥ वायया
धुज ३॥ कव न नयावग
जाग ॥ ०००॥ अम सिधुले ८॥
अध वक्रवाकुरे ॥ ६६
कमलुले ॥ १०॥

१० नदि क्रादुजपमनि ॥
मलाकाल नोकरवले ॥
रुग ॥ काकाउपमनि ॥ वि
नायक गायपनपिपुष
गाअव उपमनि ॥ किद
सादुं कि ॥ दवा ॥ उराले
वले सिधुले ॥ धन ०००॥
दिंकाक निवदाननसा ॥

विषु दाननसा ०००॥ दि
काकथरुलि ॥ रुजाभय
वडा ॥ विरुजा नया ॥ कि ॥
वले अंक ॥ ॥ एवले रु
कपय ॥ ॥ अमी नयापाश
॥ विभागी करि मधुज ॥

विषयं न लक्षणादा ॥ कं
शपालसिद्धयपत्न्या ॥

कनयूग ॥ अथ नर्त्तन ॥ अं
गयूग ॥ पीनगदा ॥ द्वापव
यूग ॥ वादूवक ॥ कलियूग
लाकुर्त्तन ॥

१ नन्दवन्द अथार्त्तन ॥
२ उरुवन्द ॥ अथ नन्दमण्डल
३ सामवन्द नन्दमण्डल
४ अथवन्द नन्दमण्डल ॥

१ अथ दिव्य ॥ सुवर्णमण्डल
२ ॥ सामवन्द नन्दमण्डल ॥
३ अथ नन्दवन्द नन्दमण्डल ॥
४ ॥ विवना ॥ वरुणमण्डल
५ ॥ अथ ॥ अथ नन्दमण्डल ॥
६ ॥ अथ नन्दमण्डल ॥
७ ॥ अथ नन्दमण्डल ॥

१ अथ नन्दमण्डल ॥
२ ॥ अथ नन्दमण्डल ॥
३ ॥ अथ नन्दमण्डल ॥
४ ॥ अथ नन्दमण्डल ॥
५ ॥ अथ नन्दमण्डल ॥

१०

१ नन्दमण्डल ॥ अथ नन्दमण्डल
२ ॥ नन्दमण्डल ॥ अथ नन्दमण्डल ॥

१ नन्दमण्डल ॥ अथ नन्दमण्डल
२ ॥ नन्दमण्डल ॥ अथ नन्दमण्डल ॥
३ ॥ नन्दमण्डल ॥ अथ नन्दमण्डल ॥
४ ॥ नन्दमण्डल ॥ अथ नन्दमण्डल ॥

१ नन्दमण्डल ॥ अथ नन्दमण्डल ॥

१ नन्दमण्डल ॥ अथ नन्दमण्डल ॥

१ नन्दमण्डल ॥ अथ नन्दमण्डल ॥

१ नन्दमण्डल ॥ अथ नन्दमण्डल ॥

१ नन्दमण्डल ॥ अथ नन्दमण्डल ॥
२ ॥ नन्दमण्डल ॥ अथ नन्दमण्डल ॥
३ ॥ नन्दमण्डल ॥ अथ नन्दमण्डल ॥
४ ॥ नन्दमण्डल ॥ अथ नन्दमण्डल ॥

गवर्गाद्याय नमः नमः ॥
पद्मकु नमः ॥

१॥ अर्था रागा ॥ २॥ लेक्री सि
धुमद ॥ १॥ वासु नयापूति

१॥ अर्था रागा नैव कु ॥ व्यति
ना न रावकोषाभाय ॥ ॥ ॥ ॥
नायाकोषाभाय नायमभय

१॥ नागवै नाग ॥ समाव
स्रसिक ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
ऊरुणा नमः ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

१॥ दादगा नमः ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
१॥ राव अकाद ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
वना ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
नायापूत कर्त ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
१॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
दुर्गाकाद ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
ले ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
न नमाला ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
१॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

१॥ अति नदाद ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
भुल ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

१॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

१॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

१॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

१॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

१॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

दधमसजसदलु दधन
 पुर्वसपुसक दधनप
 किमदीत ॥ ॥ पाणि
 मया दधमनाग दध
 नदद्विषादीक दधन
 उरुनयाधुज ॥ ॥ उरु
 नयादधमनाग दध
 नपाकिमने दधन
 प्रवृत्तिशून ॥

विद्वान्मन्त्रधनं

१. प्राचीन हिमका कर्त्तव्य
सुदृग्गा विना यकः। पवि
स्तु वक्तुं दधवा शुभ्र
रश्मि रूपाः॥ जिव मथ दि
५०४ वाया ॥
२. गमय गमज लीला किंद्विधा
ननु र्पंचकी। पञ्चग्या निनिष्ठा
कर्मज्ञा पाठक नाशनी॥

[illegible][illegible]

५३२

51

॥ पूर्णकक्रादू ॥ ११ ॥ विष्णुलक्रादू ॥ धनदादगसूर्ययावद्रुद्र ॥

एषिदक्षिणदक्षि ॥ मसिमूढ विगलनायु
 क्रुण साधन ॥ उपमसनि चक्षुस ॥ वामने
 शकुली २ नाडी २ ॥ अकि वेष्टा ॥ चक्र सव
 धुर्मा ॥ निवला २ र्मा विष्मा ॥ सूर्ययाव
 विवानशतशुभा ॥ ॥ दणादिष्टवतयाथलि
 लेनावकलनायाचिद्र नक्रपयन १० ॥ मरु
 यीनक्रपयनशुभा ॥ ॥ सूर्ययावतयाथ ॥



सकमीवतयाथ ॥

श्री ३ गलधियनयनमः ॥ गलपुत्र ॥ नमानमसुद
 वश गलनीयनयनमः ॥ गलानेनारयवसुद

10

5

१८ नमः शिवाय नमो भगवते वासुदेवाय
वृणां प्रापन्न विष्णोर्वाचस्पतिस्तु
दिव्यशक्त्यकर्मज्ञानादिभिरु-
क्त्वमुपनिषत्तन्त्रैश्च वदन् क-
थाया दूतन्यासाद्य ॥ धर्म-
ध्वजकावकनशादिमालिका
वाद्यावगाथस्वरकलगाढा
य शुभानामाय स्वायमात्मने ॥

संनिकृद्धाश्चर्कज्ञाना
दिनित्यकधनक॥ मण्डपया
विदमनेजुत्यसपादप्रका
लनादिवलिप्रदाने॥ मण्डप
प्रविष्टपञ्चगव्यसाधने॥
ज्ञानयज्ञशुद्धता॥ इति
ज्ञानविप्रजा॥ कलमञ्जरी॥
कलमपुजामेज्ञानयज्ञसम
र्थमिति वक्ष्यमि कलमञ्जरी
ध्याय॥

विष्णुसिंहसभाहि वाञ्छामिका
कथं कथं ॥ ॥ दृगादिति ॥ अ
विष्णुसभा ॥ अहं अहं ०० ॥ तिस्ता
इति ॥

यथा कर्मसद्व्यवस्थाय

कं समुद्र कलऽम दिमुक्ति का
 दिज्ञानयावकं ॥ ददद नदि
 याजीव न्यादि ॥ कि ननुभं ॥
 नमोदवाञ्चनी ॥ न्यासाद्यथा
 गृह्णता ॥ ननी ॥ अथा नादि
 ७ ॥ सपक तुलनासनाय ॥ पद्मा
 सनाय ॥ ध्यान ॥ चिपुश्चिनि ॥
 कदयादि ॥ दद ॥ अहक ॥
 ८ ॥ गुरु अह्य ॥ ९ ॥ गमिगुम ॥
 धूपदीप ॥ जयमो ॥ १० ॥ निद
 वाञ्चनी ॥ दवाञ्चनकुभनोदुनि ॥

धनधर्मद्वयकविधनधर्मधु
पदीप॥मदनिकुमाल॥अथ
पद्यैर्निधनक॥धनविक्रय
विनयिग॥अथ॥मिना
य००॥अर्कसि॥अथ॥
नमिगस्यवन्ता॥विष्णु
००॥उन्मि॥अथ॥विष्णु
वन्ता॥अथ॥विष्णु
००॥ममवन्ता॥अथ॥
य००॥उन्मि॥अथ॥
उन्मि॥अथ॥अथ॥
०॥यानामि॥अथ॥
ग॥०॥अथ॥अथ॥
मम॥अथ॥अथ॥

